सोमवार, 16 जून 2025
वर्ष 6, अंक 206, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 6 रुपये

अमृत विचार
बरेली
एक सम्पूर्ण अखबार

PAGE NO, 05, BOTTOM

बस इतनी दरकार, मुझको जग में आने दो मैं देखूंगी संसार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को हिंदी काव्य संध्या "साहित्य सरिता" का आयोजन हुआ। नवोदित कवियों ने अपने गीतों और मुक्तकों के माध्यम से कविता के सभी रंगों की बरसात की। कवियों ने मंच से प्रेम, देशप्रेम, माता-पिता के त्याग, बेटी, सामाजिक सद्भाव, भ्रष्टाचार को केंद्रित कर कविता पाठ किया। इस दौरान हर कवि को हर पंक्ति पर दर्शकों की वाह-वाह और हर अंतरे पर श्रोताओं की तालियां मिलीं।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रयागराज के कवि ज्ञानेंद्र शर्मा प्रयागी ने परिवार में पिता की भूमिका को अपनी कविता में रेखांकित किया। बोले- दुख का मंजर इधर आया, हर समंदर इधर आया। तब पिता ने कहा मैं हूं खड़ा, जब एक खंजर इधर आया। अपनी कविता में मां का जिक्र करते हुए ज्ञानेंद्र ने कहा- तारे पल्लू में सब समेटे हुए मां ने चंदा मुझे पुकारा है। चांदनी का नहीं कोई उबटन, मां ने चेहरा मेरा संवारा है। भोजीपुरा के युवा कवि शक्ति सिंह ने कहा कि चांद तारे तो लाना है मुश्किल बड़ा, मांग का तेरी सिंदूर बन जाऊंगा। बरेली की युवा कवियत्री उन्नति राधा शर्मा ने कविता पाठ में प्रेम को ईश्वर की इबादत बताया। उन्होंने कहा- कि प्रेम मंदिर बसेरा सा हो जाएगा, तू जो कह दे सबेरा सा हो जाएगा।

रिद्धिमा में साहित्य सरिता में कविताएं पढ़ते कवि। ● अमृत विचार

- **नवोदित कवियों ने काव्यपाठ से बांधा समा, झूम उठे श्रोता**
- **रिद्धिमा में 'साहित्य सरिता' का हुआ आयोजन**

बदायूं के युवा कवि विवेक मिश्रा ने कहा कि मम्मी पापा दादी से है बस इतनी दरकार, मुझको जग में आने दो मैं देखूंगी संसार। जन्म से पहले माह रहे हो क्या अपराध है मेरा, यदि मैं हूं निर्दोष जो जन्म से क्यूं मुंह फेरा। बदायूं के ही कवि शतवदन शंखधार ने श्रोताओं को देशभक्ति के रस से ओतप्रोत किया। बोले- इस देश भर में हुए जो बलिदानी लोग, वतन की खातिर वो सीना तान कर अड़ गए होंगे। कवियत्री स्नेह सिंह ने कहा कि कोई तो हो जो एक नया धर्म बनाए, जो हिंदू न मुसलमान इंसान बनाए से अपना कविता पाठ समाप्त किया। बरेली के ही कवि विश्वजीत सिंह निर्भय ने सनातन पर अपनी कविता पढ़ी। कवि और लेखक अभिषेक चित्रांश ने बेटे और बेटी को अपनी कविता में प्रस्तुत किया। संचालन डा. अनुज कुमार ने किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, डॉ. रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. शैलेश सक्सेना, कवियत्री सोनरूपा विशाल, कवि रोहित राकेश आदि मौजूद रहे।